

Padma Shri



SHRI SUJIT CHATTERJEE

Shri Sujit Chatterjee is a retired school teacher from district Purba Bardhaman, West Bengal. Presently, he is running his own pathsala (Coaching Center). He is widely recognised over the state for his free coaching center named "Sadai Fakirer Pathsala". Shri Chatterjee is well known in the field of education and literature in rural Bengal.

2. Born on 3rd April, 1944, Shri Chatterjee received his bachelor degree from the University of Burdwan in 1965 and also M.A. degree from the same university. He obtained the B.T. degree from the University of North Bengal in the year 1970. He joined Ramnagar High School in the year 1965 as an Assistant Teacher and retired from the post of Teacher-in-Charge in the year 2004.

3. Shri Chatterjee started his Sadai Fakirer Pathsala, a study center for secondary, higher secondary and degree course level students. Presently, there are more than 300 students belonging to SC, ST and OBC categories being benefitted from his free classes. All these students belong to the Below Poverty Line (BPL) group of Jungle Mahal area of West Bengal. Shri Chatterjee charges only Rs-2/- per annum as Guru Daksina. The ratio of female and male students is 80:20. Under the guidance of their master mosai (teacher), the students of his pathsala have been fulfilling their social responsibilities also. They have been performing an annual programme for thalassaemia eradication. This year i.e the sixth year the students observed the day on 14/02/2021 and helped ten thalassamia patients and their families offering Rs 5000/- each. Secondly, the students of Sadai Fakir Pathsala stood behind two hundred and fifty helpless families during the lockdown period and distributed relief materials to them.

4. Shri Chatterjee is recipient of numerous honours and awards including Life time Achievement Award by The Telegraph, daily English newspaper in 2019. ABP ANANDA the renowned TV Bengali channel declared him 'Barsha Sera' for the year 2020. The Zee Bangla TV channel awarded him champion trophy in the Dadagiri programme (8th session) in the year 2019, the trophy was presented by cricketer, Sourav Ganguly. The AB TV channel of Bardhaman declared him 'Sera Bangali' in Burdwan Town Hall.



श्री सुजीत चटर्जी

श्री सुजीत चटर्जी पश्चिम बंगाल के जिला पूर्व बर्दमान के सेवानिवृत्त स्कूल शिक्षक हैं। वर्तमान में, वह अपनी एक पाठशाला (कोचिंग सेंटर) चला रहे हैं। उन्हें पूरे राज्य में "सदाई फकीरेर पाठशाला" नाम से निःशुल्क कोचिंग सेंटर संचालित करने के लिए जाना जाता है। श्री चटर्जी ग्रामीण बंगाल में शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में विख्यात हैं।

2. 3 अप्रैल, 1944 को जन्मे श्री चटर्जी ने 1965 में बर्दवान विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री प्राप्त की और इसी विश्वविद्यालय से एम.ए. की डिग्री भी प्राप्त की। उन्होंने 1970 में उत्तरी बंगाल विश्वविद्यालय से बी.टी. की डिग्री हासिल की। वह 1965 में बतौर सहायक अध्यापक रामनगर उच्च विद्यालय में नियुक्त हुए और वर्ष 2004 में प्रभारी अध्यापक के पद से सेवानिवृत्त हुए।

3. श्री चटर्जी ने माध्यमिक, उच्च माध्यमिक और डिग्री पाठ्यक्रम स्तर के विद्यार्थियों के लिए एक अध्ययन केंद्र, सदाई फकीरेर पाठशाला शुरू की। वर्तमान में, एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग से संबंधित 300 से अधिक विद्यार्थी उनकी मुफ्त कक्षाओं का लाभ उठा रहे हैं। ये सभी छात्र पश्चिम बंगाल के जंगल महल क्षेत्र के गरीबी रेखा से नीचे के हैं। श्री चटर्जी, गुरु दक्षिणा के रूप में प्रतिवर्ष केवल दो रुपये ग्रहण करते हैं। छात्रों और छात्रों का अनुपात 80:20 है। अपने गुरु मोसाई (अध्यापक) के मार्गदर्शन में, पाठशाला के विद्यार्थी अपने सामाजिक दायित्व को भी पूरा करते रहे हैं। वे थैलेसीमिया उन्मूलन के लिए हर वर्ष कार्यक्रम आयोजित करते आ रहे हैं। विद्यार्थियों ने, इस वर्ष यानी छठे वर्ष 14/02/2021 को यह कार्यक्रम आयोजित किया और दस थैलेसीमिया रोगियों में से प्रत्येक रोगी और परिजन को 5000 रुपये की मदद की। इसके अलावा, सदाई फकीरेर पाठशाला के विद्यार्थियों ने लॉकडाउन के दौरान दो सौ पचास लाचार परिवारों की मदद की और उन्हें राहत सामग्री प्रदान की।

4. श्री चटर्जी को कई सम्मान और पुरस्कार प्रदान किए गए हैं जिनमें 2019 में अंग्रेजी के दैनिक अखबार, द टेलीग्राफ द्वारा लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड शामिल है। प्रसिद्ध बंगाली टीवी चैनल एबीपी आनंद ने उन्हें वर्ष 2020 के लिए 'बरसा सेरा' घोषित किया। जी बांग्ला टीवी चैनल ने उन्हें वर्ष 2019 में दादागिरी कार्यक्रम (8 वें सत्र) में चैंपियन ट्रॉफी प्रदान की। क्रिकेटर, सौरव गांगुली द्वारा यह ट्रॉफी प्रदान की गई थी। बर्दमान के एबी टीवी चैनल ने उन्हें बर्दवान टाउन हॉल में 'सेरा बंगाली' घोषित किया।